पालनार में एक और फर्जी मुडभेड़
फोर्स ने की आदिवासी नौजवान की हत्या

*** स्वतंत्र जाँच दल ने किया पालनार (बीजापुर) की फर्जी मुठभेड़ का खुलासा
*** फोर्स द्वारा महिलाओं के प्रति अभद्र व्यवहार को भी किया उजागर
*** सुरक्षा बल द्वारा सीतू को हल चलाते समय खेत से उठाकर मारा गया,
*** सीतू को जंगल में जाकर एक पेड़ पर कीलों से टाँगा गया था और वहाँ उसको और फिर गोली चलाकर मारा गया
*** बुथरी बाई और उनकी जवान लड़की के साथ अभद्र व्यवहार किया
*** अपनी पेंट को खोलकर और नीचे कर के उनको धमकाया कि उनके और उनकी बेटी के साथ बलात्कार करेंगे
*** पीयूसीएल छत्तीसगढ़ और डब्ल्यूएसएस ने की एक स्वतन्त्र जांच की मांग

---

25 जुलाई 2016, बीजापुर

बीजापुर में मानवाधिकार संगठनों की तीन सदस्यों (रिनचिन, शालिनी गेरा और शिवानी तनेजा) की टीम ने आज पत्रकारो को बताया कि दिनांक 5.7.16 को पालनार गाँव, गंगालूर थाना, जिला बीजापुर, में सीतू हेमला नामक ग्रामीण को पुलिस एवं सुरक्षा बल द्वारा हल चलाते समय खेत से उठाकर मारा गया, और फिर उसे नक्सली कह कर यह हत्या मुठभेड़ के रूप में दर्शाया गया।
इस जाँच दल ने पालनार गाँव जाकर वहाँ के ग्रामीणों और महिलाओं से चर्चा कर पता लगाया कि पांच जुलाई इसी माह को सीतू हेमला अपने परिवार के साथ सुबह खेत में काम कर रहा था। जब गश्त पर गई फोर्स वहाँ आई, और कुछ आत्मसम्रर्पित नक्सलियों के कहने पर सीतू हेमला को पकड़ लिया।.

जब उसके परिजनों ने उसे बचाने की कोशिश की तो उन्हें डंडे मारकर वापस गाँव तरफ भेज दिया। उसकी पत्नी लछमी, माँ सोमली और चाची सुकली के सामने सुरक्षा बल द्वारा सीतू के हाथों को उसके पीछे बाँधकर, सुरक्षा बल उसे खेत से घसीटते हुए जंगल की तरफ ले गया, जहाँ पर उसकी हत्या कर दी गई।

ग्रामीणों का कहना है कि इस गश्त में गाँव के ही आत्मसमर्पित नक्सलियों ने सीतू की हत्या में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी बताया कि सीतू को जंगल में जाकर एक पेड़ पर कीलों से टाँगा गया था, और वहाँ उसको और पीटा गया, और फिर गोली चलाकर मारा गया।
गाँव की महिलाओं ने बताया कि जब सीतू को उठाया गया, वे तुरन्त चेरपाल पोस्ट एवं गंगालूर थाने घटना के बारे में बताने और सूचना देने गई पर किसी ने उनकी मदद नहीं की, और जब वे लौटी तो उन्होंने सीतू की लाश को पेड़ पर टंगा हुआ पाया। सीतू की मां ने एक शिकायती पत्र गंगालूर थानेदार को दिया है जिसकी प्रति एसपी और जिला कलेक्टर को भेजी गई है।

इस जाँच टीम के सामने यह बात भी आई कि पालनार गाँव में ऐसी गश्त बार-बार आती है और उसके सदस्य ग्रामीणों को प्रताड़ित करते हैं।

हाल ही में दिनांक 18.7.16 को निकली गश्त ने भी बुथरी बाई और उनकी जवान लड़की के साथ अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने टीम को बताया कि सुरक्षा बल के कुछ सदस्य उनके घर में घुस आये और उन्होने उनको डंडे से मारा, उनके कान पकड़कर उठक बैठक करवाई और फिर अपनी पेंट को खोलकर और नीचे कर के उनको धमकाया कि उनके और उनकी बेटी के साथ बलात्कार करेंगे। एक व्यक्ति ने उनसे बलात्कार करने की कोशिश भी की, पर वे वहाँ से अपनी बेटी के साथ निकल गई। उनको ऐसा भी धमकाया गया कि उनको अपनी बेटी सहित घर में जला दिया जायेगा।

मानवाधिकार संगठन पीयूसीएल छत्तीसगढ़ एवं डब्ल्यूएसएस ने इस तरह से निहत्थे निरपराध ग्रामीणों की निर्मम हत्या और ऐसे अभद्र व्यवहार की घोर निंदा करते हैं और इन मामलों मे स्वतंत्र जाँच की माँग करते है।

ऐसे मामले बार बार सामने आ रहे हैं जहाँ पुलिस आत्मसमर्पित नक्सलियों का प्रयोग करते हुए गाँव वालों पर अत्यचार को अंजाम दे रही हैं। सुरक्षा बल अपने आप को बचाते हुए इन आत्मसमर्पित आदिवासियों को आगे रख कर इन से गैरकानूनी कृत्य कर रहे हैं।

पिछले गत एक वर्ष में ही सुरक्षाबलों द्वारा महिलाओं के साथ यौनिक हिंसा की कई घटनाएँ सामने आई हैं। एफ आई आर भी दर्ज की गई हैं पर न तो उन पर कोई कार्रवाई को आगे बढ़ाया गया है और न ही इस तरह के व्यवहार में कोई रोक आई है। यह बहुत ही शर्मनाक स्थिति है ।

टीम के सदस्य - रिनचिन, शालिनी गेरा, शिवानी तनेजा
*****
पीयूसीएल – People's Union for Civil Liberties Chhattisgarh
डब्ल्यूएसएस – Women against Sexual Violence and State Repression

सुकली हेमला, सीतू की माँ

सीतू की पत्नी, लछमी, और उसका बच्चा, मनीष – इस फोटो में लछमी दर्शा रही है कि सीतू के हाथों को किस तरह पीछे बाँधकर, उसे धसीटते हुए सुरक्षा बल उसे जंगल की ओर ले गये थे।